HOROSCOPETIMES
.COM

Disclaimer:

Astrology is a science which deals in the effects of planets on living beings. To predict its effects, one has to calculate the position of planets & their strengths. Calculations as prepared by Horoscopetimes in this horoscope are very accurate and true apparent longitudes have been used for all the planets. The Ayanamsa adopted is Chitrapaksha Ayanamsa, unless & until other ayanamsa is asked for.

This horoscope is based on Date, Time and Place of Birth provided by the native and we do not stand any responsibility for the accuracy of this data. Astrological calculations & predictions are all based on this basic input given by the native.

Predictions given in the horoscope are indicative tendencies and likelihood and not strict guidelines for action by native. User is suggested to treat these predictions & suggestion with due care and caution.

The horoscope and the information given in the following pages shall not be made a cause of legal dispute for any actual or consequential loss to the native. No cause of action for any damages or otherwise can therefore be entertained.

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

|| ऊँ श्री गणेशाय नमः ||

नाम KDP

दिनांक 03 माहे 11 ई. सन् 1985 वारः रविवार दिवा

जन्म समय (स्टॅ. टॉ.) घ. 16 मि. 10 स्थानिक जन्म समय घ. 15 मि. 37

सूर्योदयः घ. 6 मि. 38 जन्मस्थलम् Nandurbar

रेखांशाः 74:18:00 पूर्व अक्षांशाः 21:22:00 उत्तर रेखांतर 82:30:00 पूर्व

स्वस्ति श्रीमन्मुकुटमणि राज राजेन्द्र महाराजाधिराज छत्रपति विक्रमादित्य महाराजात्सम्वत् 2042 श्रीमद्भूपति शालिवाहनीय कृत शके 1907 नाम सम्वत्सरे दक्षिणायने हेमन्त ऋतौ माङ्गल्यप्रदे मासोत्तमे मासे कार्तिक मासे शुभे कृष्ण पक्षे 5 पुण्यस्तिथौ घटी 11 पल 44 परं 6 जन्मतिथौ वाराधिपति रविवासरे आर्द्रा नक्षत्रे घटी 25 पल 59 परं आर्द्रा जन्मनक्षत्रे चतुर्थ चरणे सिद्ध योगे घटी 38 पल 01 परं सिद्ध जन्मयोगे तात्कालिके गर करणे एवं जन्म पंचाङ्ग शुद्धौ दिनमानम् घटी 28 पल 10 मिथुन राशिस्थिते चन्द्रे श्वान योनौ मनुष्य गणे शूद्र वर्णे सिंह वर्गे मध्य युंजायां वायु हंसके आद्य नाडीस्थिते श्रीफणीश्वरचक्रे तुलासंक्रान्तेर्गतांशाः17 कला 17 विकला 52 एवमादिपंचाङ्गशुद्धावस्मिन्दिने श्रीमन्मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टम् घटी 23 पल 49 एतत्समये मीन लग्नोदये परमभाग्यवान वंशोद्भव गोत्रोत्पन्न धर्ममूर्ति धर्मावतार श्रीमान् तस्यात्मज श्री गृहे एषां भार्या अखण्डसौभाग्यवती दक्षिण कुक्षौ पुत्र रत्नमजीजनत् ।

अवकहडाचक्रानुसारेण मिथुन राश्युपरि आर्द्रा नक्षत्रस्य चतुर्थ चरणे जन्मवशात् छ अक्षरोपरि छत्रपति राशिनाम प्रतिष्ठितम परं प्रसिद्धं व्यावहारिकं नाम श्री KDP शुभम् ।

अथ घातादयः जन्म राशि परत्वेन आषाढ़ मासे 2-7-12 तिथयः सोमवार स्वाति नक्षत्रम् परिघ योग चतुष्पाद करण तृतीय प्रहर कुम्भ चन्द्र अस्य पूर्व कर्मानुसारेण 0 वर्ष 7 माह 3 दिवस मानतः राहुमहादशायां जन्मः ।।

|| अथ जन्मांगचक्रम् ||

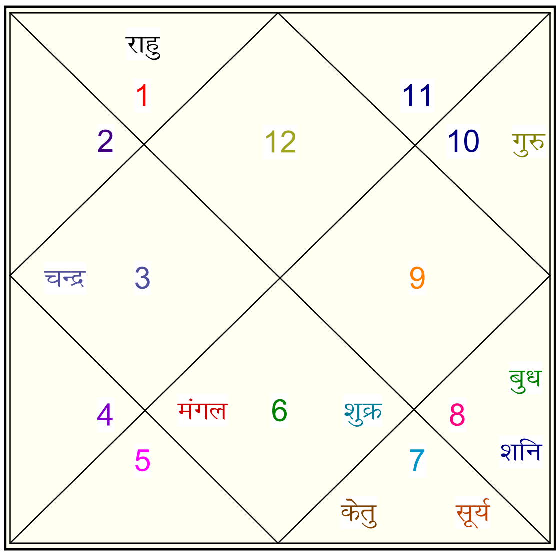

|| अथ राशिचक्रम ||

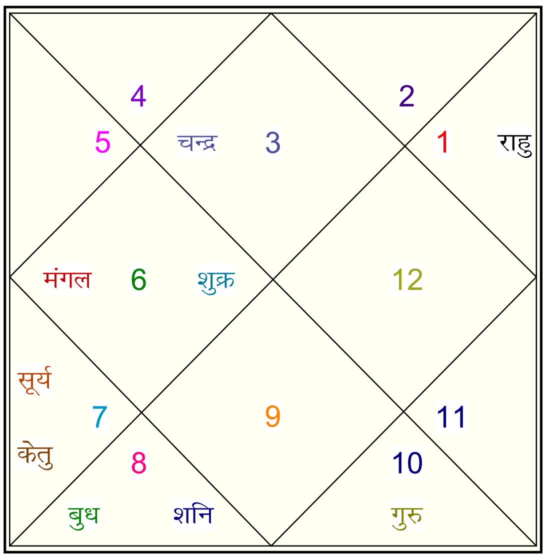

Provided By:
www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

KDP

क्रम : 1108 / Customers . 1 . 47 मॉडल : Kundli दिनाँक : 01/02/2009

लिंग	पुल्लिंग	दादा का नाम	
जन्म तिथि	03/11/1985	पिता का नाम	
दिन	रविवार	माता का नाम	
जन्म समय	16:10:00 घंटे	जाति	
इष्ट	23:49:29 घटी	गोत्र	
स्थान	Nandurbar	पता	
जिला	Jalgaon		
राज्य	Maharashtra		
देश	India		

अक्षांश	21:22:00 उत्तर
रेखांश	74:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक समय संस्कार	- 0:32:48 घंटे
युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार	0:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:37:12 घंटे
वेलान्तर	0:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	18:27:45 घंटे
सूर्योदय	6:38:12 घंटे
सूर्यास्त	17:54:29 घंटे
दिनमान	11:16:17 घंटे
	28:10:42 घटी
सूर्य की स्थिति (अयन)	दक्षिणायन
सूर्य की स्थिति (गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:17:52 तुला
लग्न के अंश	15:25:56 मीन
भयात	63:42:06
भभोग	65:51:59
भोग्य दशा काल	राहु 0 वर्ष 7 मास 4 दिन

चैत्रादि संवत्-शक संवत	2042-1907
संवत्सर(चन्द्र/गुरु)	क्रोधन / बहुधान्या
मास	कार्तिक
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	5
तिथि समाप्ति काल	11:20:07 घंटे
	11:44:47 घटी
जन्म तिथि	6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	आर्द्रा
नक्षत्र समाप्ति काल	17:01:56 घंटे
	25:59:21 घटी
जन्म नक्षत्र	आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग	सिद्ध
योग समाप्ति काल	21:50:56 घंटे
	38:01:50 घटी
जन्म योग	सिद्ध
सूर्योदय कालीन करण	तैतिल
करण समाप्ति काल	11:20:07 घंटे
	11:44:47 घटी
जन्म करण	गर

अवकहड़ा चक्र :-

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि स्वामी	मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण	आर्द्रा - 4
नक्षत्र स्वामि	राहु
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक (तत्व)	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया (राशि-नक्षत्र)	लौह-रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

घात चक्र :-

मास	आषाढ़
तिथि	2-7-12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	चतुष्पाद
प्रहर	3
वर्ग	मृग
लग्न	कर्क
सूर्य	मीन
चन्द्र	कुम्भ
मंगल	मेष
बुध	मकर
गुरु	वृष
शुक्र	मिथुन
शनि	कुम्भ
राहु	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	अस्त	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	क्रम	स्वामी	अं०	स्थिति
लग्न	-	मीन	15:25:56	438:44:49	उ०भाद्रपद	4	26	शनि	गुरु	-----
सूर्य	-	तुला	17:17:52	1:00:06	स्वाति	4	15	राहु	शुक्र	नीच राशि
चन्द्र	-	मिथु	19:33:28	12:15:46	आर्द्रा	4	6	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल	-	कन्या	10:36:37	0:37:34	हस्त	1	13	चन्द्र	चन्द्र	शत्रु राशि
बुध	-	वृश्चि	9:44:49	1:12:00	अनुराधा	2	17	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु	-	मकर	15:01:14	0:05:51	श्रवण	2	22	चन्द्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र	-	कन्या	28:36:33	1:14:56	चित्रा	2	14	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि	-	वृश्चि	4:44:33	0:06:55	अनुराधा	1	17	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु -व	-	मेष	15:36:00	0:00:22	भरणी	1	2	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
केतु -व	पू	तुला	15:36:00	0:00:22	स्वाति	3	15	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	-	वृश्चि	22:23:41	0:03:09	ज्येष्ठा	2	18	बुध	चन्द्र	-----
नेप	-	धनु	7:54:51	0:01:36	मूल	3	19	केतु	गुरु	-----
प्लू	अ	तुला	11:16:43	0:02:25	स्वाति	2	15	राहु	शनि	-----
दशम भाव		धनु	12:42:49	---	मूल	---	19	केतु	गुरु	---

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

चित्रपक्षीय अयनांश: 23:39:20 अंश

लग्न कुंडली

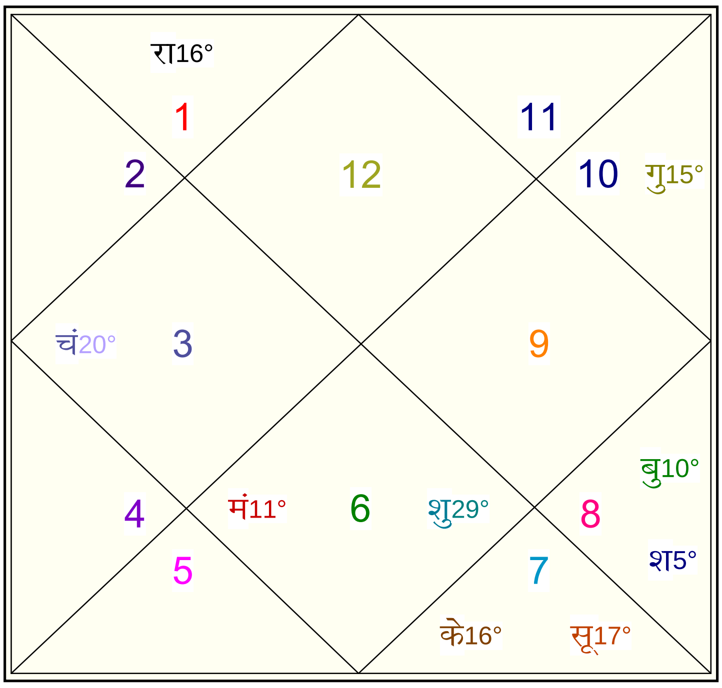

चन्द्र कुंडली

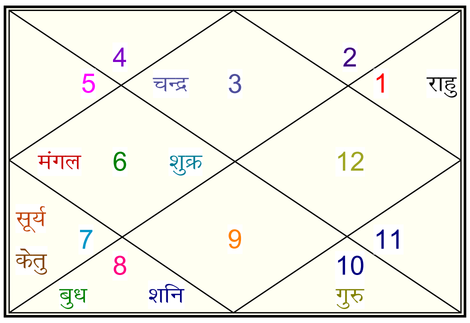

नवमांश कुंडली

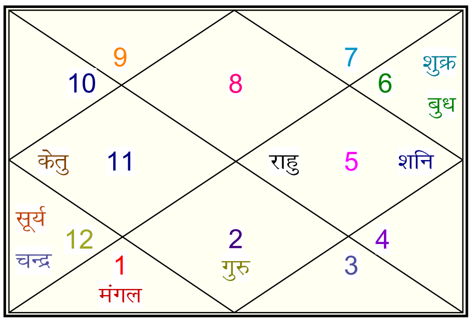

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	कुम्भ	29:58:45	मीन	15:25:56
2	मीन	29:58:45	मेष	14:31:34
3	मेष	29:04:23	वृष	13:37:12
4	वृष	28:10:01	मिथुन	12:42:49
5	मिथुन	28:10:01	कर्क	13:37:12
6	कर्क	29:04:23	सिंह	14:31:34
7	सिंह	29:58:45	कन्या	15:25:56
8	कन्या	29:58:45	तुला	14:31:34
9	तुला	29:04:23	वृश्चिक	13:37:12
10	वृश्चिक	28:10:01	धनु	12:42:49
11	धनु	28:10:01	मकर	13:37:12
12	मकर	29:04:23	कुम्भ	14:31:34

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मीन	15:25:56
2	मेष	20:01:06
3	वृष	17:52:25
4	मिथुन	12:42:49
5	कर्क	8:20:09
6	सिंह	8:27:30
7	कन्या	15:25:56
8	तुला	20:01:06
9	वृश्चिक	17:52:25
10	धनु	12:42:49
11	मकर	8:20:09
12	कुम्भ	8:27:30

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनि	उ०फाल्गुनि	हस्त	चित्रा
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा

चलित

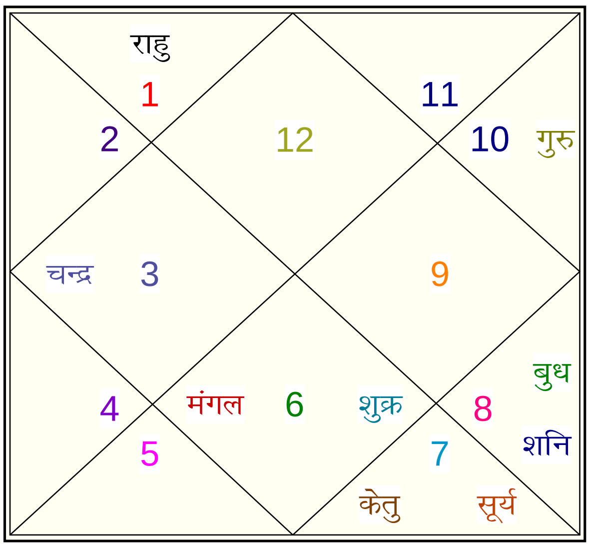

निरयण भाव चलित

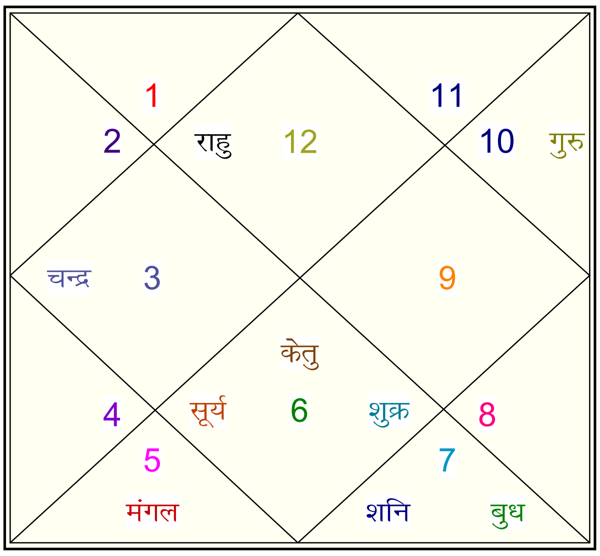

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य

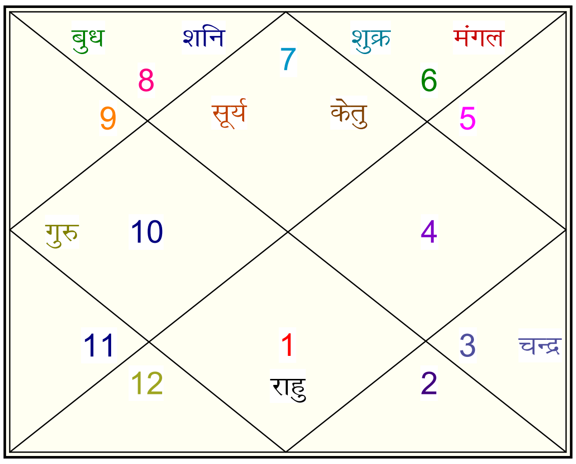

आत्मविचारः

चन्द्र

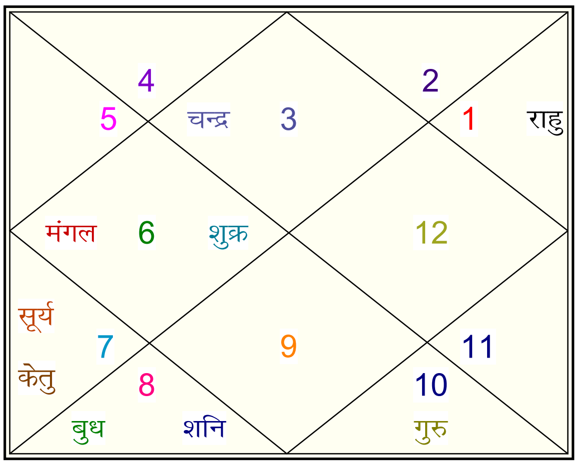

मनोबलविचारः

लग्न

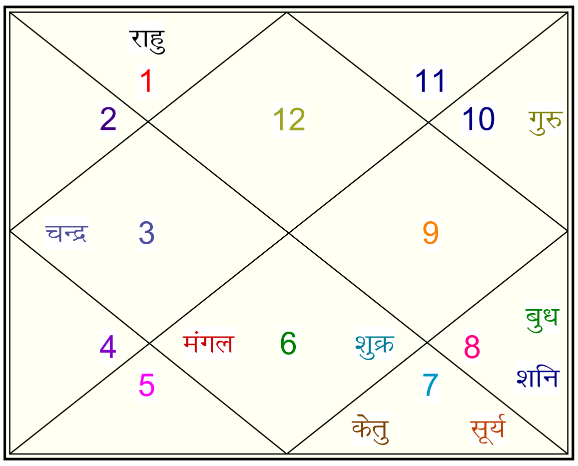

देह विचारः

होरा

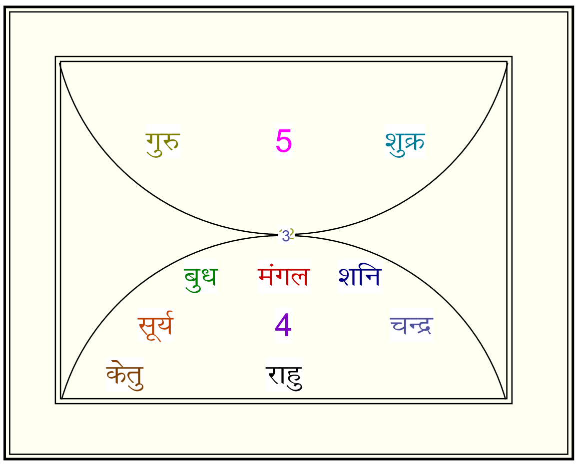

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण

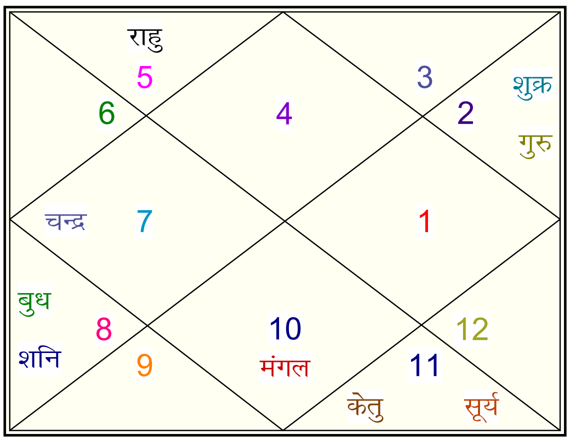

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश

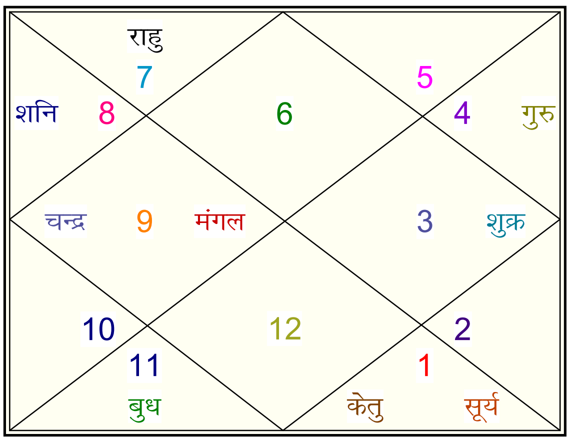

भाग्यविचारः

पंचमांश

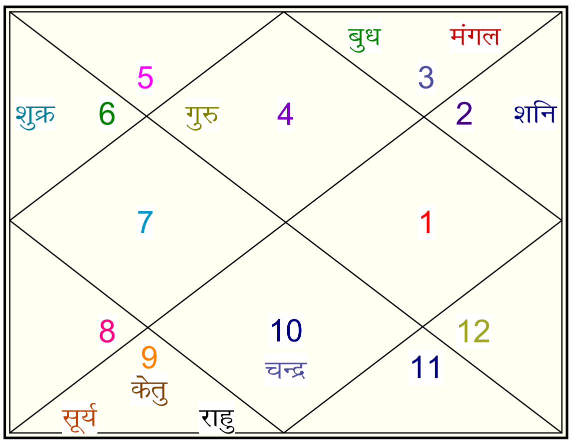

ज्ञानविचारः

षष्ठांश

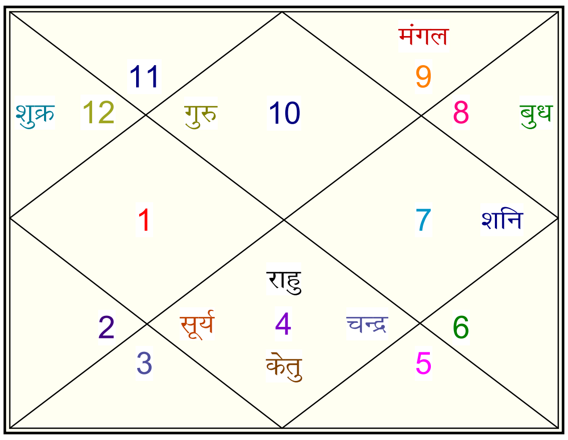

रिपुज्ञानम्

सप्तांश

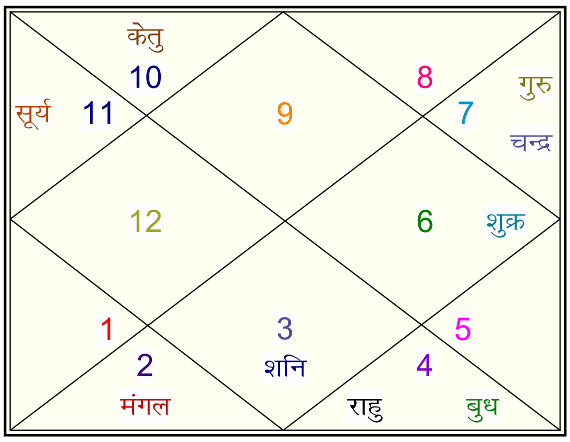

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश

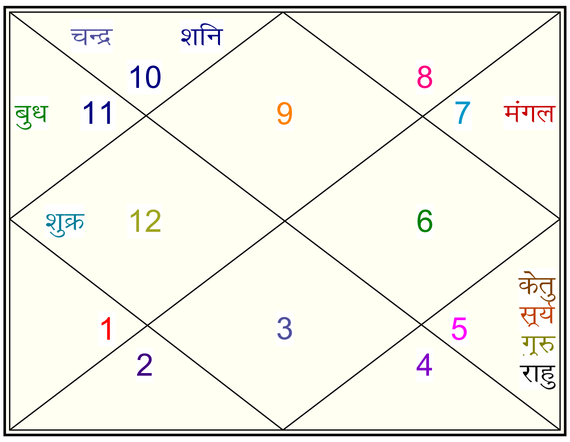

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश

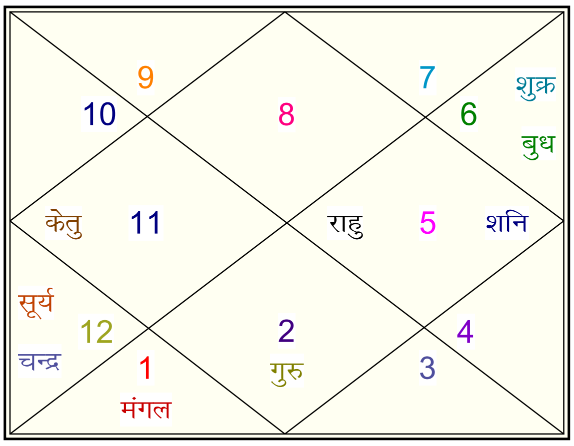

कलत्र सौख्यम

दशमांश

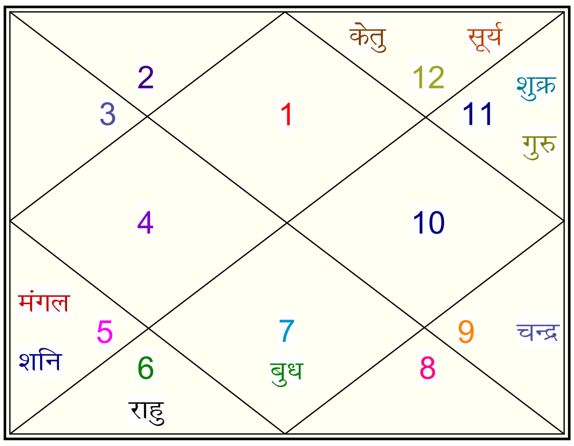

राज्यविचारः

एकादशांश

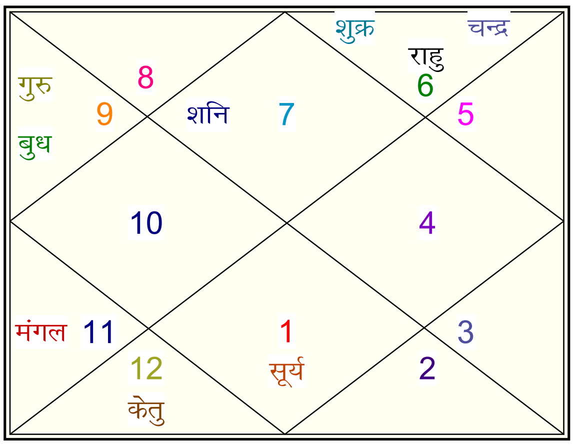

लाभविचारः

द्वादशांश

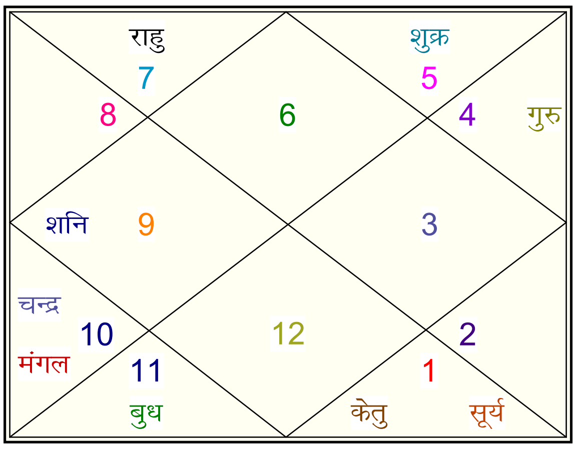

पितृसौख्यम

षोडशांश

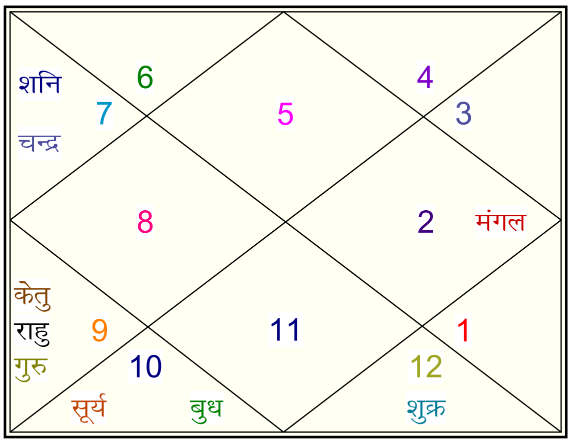

वाहनसुखविचारः

विंशांश

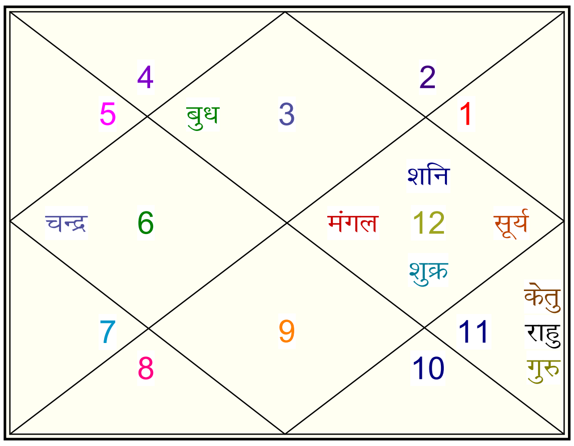

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश

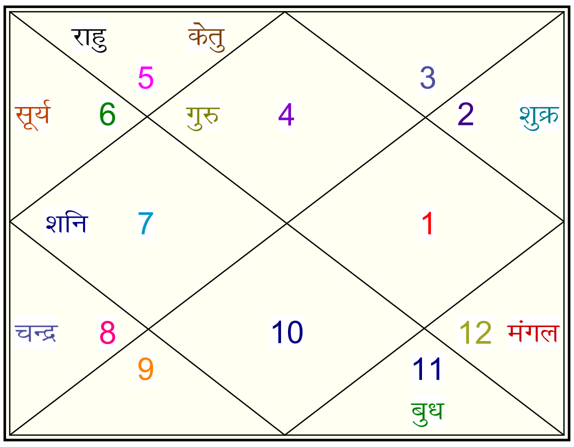

विद्याविचारः

सप्तविंशांश

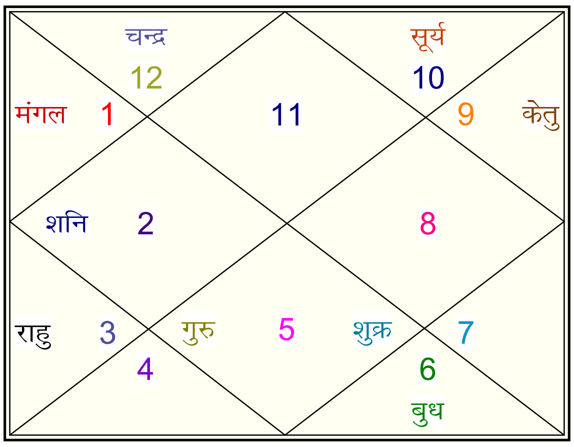

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश

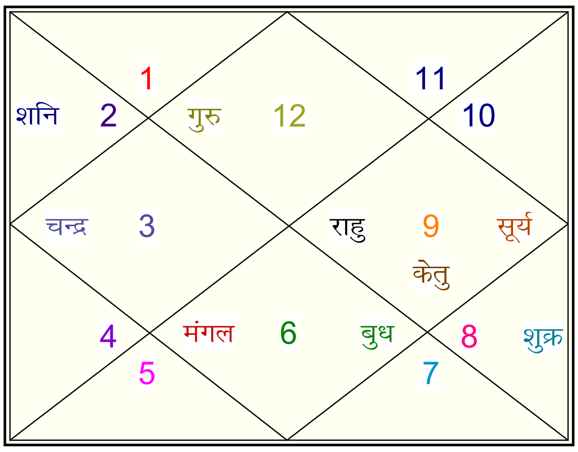

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश

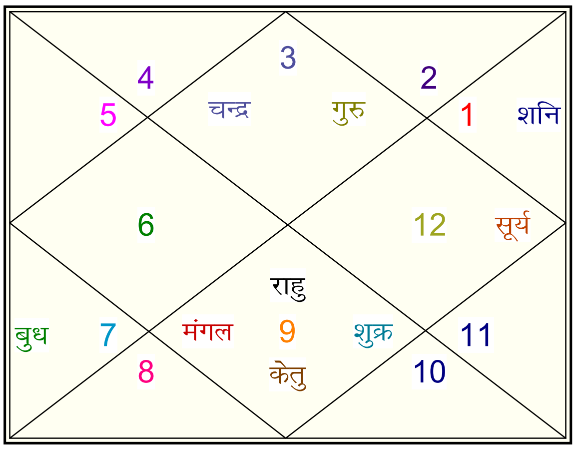

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश

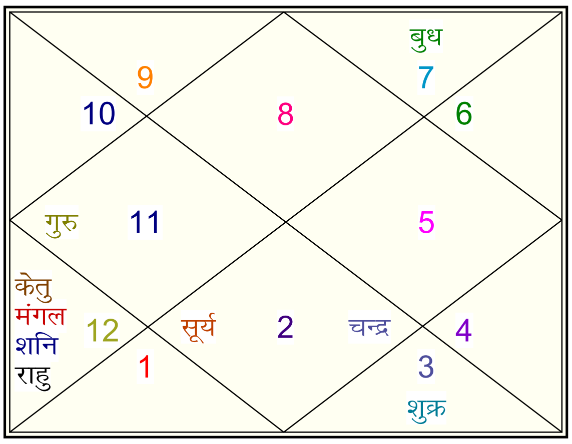

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश

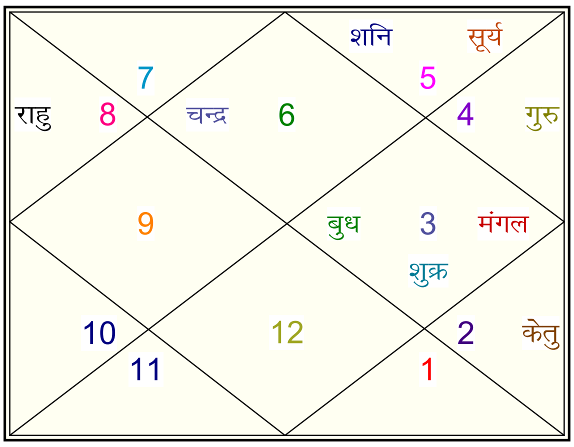

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	मीन	तुला	मिथु	कन्या	वृश्चि	मकर	कन्या	वृश्चि	मेष	तुला
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	कुम्भ	तुला	मकर	वृश्चि	वृष	वृष	वृश्चि	सिंह	कुम्भ
चतुर्थांश	कन्या	मेष	धनु	धनु	कुम्भ	कर्क	मिथु	वृश्चि	तुला	मेष
सप्तमांश	धनु	कुम्भ	तुला	वृष	कर्क	तुला	कन्या	मिथु	कर्क	मकर
नवमांश	वृश्चि	मीन	मीन	मेष	कन्या	वृष	कन्या	सिंह	सिंह	कुम्भ
दशमांश	मेष	मीन	धनु	सिंह	तुला	कुम्भ	कुम्भ	सिंह	कन्या	मीन
द्वादशांश	कन्या	मेष	मकर	मकर	कुम्भ	कर्क	सिंह	धनु	तुला	मेष
षोडशांश	सिंह	मकर	तुला	वृष	मकर	धनु	मीन	तुला	धनु	धनु
विंशांश	मिथु	मीन	कन्या	मीन	मिथु	कुम्भ	मीन	मीन	कुम्भ	कुम्भ
चतुर्विंशांश	कर्क	कन्या	वृश्चि	मीन	कुम्भ	कर्क	वृष	तुला	सिंह	सिंह
सप्तविंशांश	कुम्भ	मकर	मीन	मेष	कन्या	सिंह	सिंह	वृष	मिथु	धनु
त्रिंशांश	मीन	धनु	मिथु	कन्या	कन्या	मीन	वृश्चि	वृष	धनु	धनु
खवेदांश	मिथु	मीन	मिथु	धनु	तुला	मिथु	धनु	मेष	धनु	धनु
अक्षवेदांश	वृश्चि	वृष	वृष	मीन	तुला	कुम्भ	मिथु	मीन	मीन	मीन
षष्ट्यंश	कन्या	सिंह	कन्या	मिथु	मिथु	कर्क	मिथु	सिंह	वृश्चि	वृष

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ----	1 ----	2 पारिजात	3 कुसुम
चन्द्र	1 ----	1 ----	1 ----	2 भेदक
मंगल	3 व्यंजन	3 व्यंजन	3 उत्तम	4 नागपुष्प
बुध	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	5 कन्दुक
गुरु	2 किंसुक	2 किंसुक	4 गोपुर	6 केरल
शुक्र	1 ----	1 ----	2 पारिजात	4 नागपुष्प
शनि	0 ----	0 ----	1 ----	2 भेदक
राहु	0 ----	0 ----	1 ----	2 भेदक
केतु	1 ----	1 ----	3 उत्तम	6 केरल

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	13.2	10.95	14.8	14.7	10.55	16.25	10.4	6.5	12.95
सप्तवर्ग	13	11.4	13.92	14.7	10.05	16.15	10.4	7.125	12.55
दशवर्ग	14.9	11.2	12.25	14.52	12.1	15.3	11.2	7.775	14.55
षोडशवर्ग	14.72	10.87	12.35	15.32	12.22	15.15	11.72	7.85	14.27

|| सुदर्शन चक्र ||

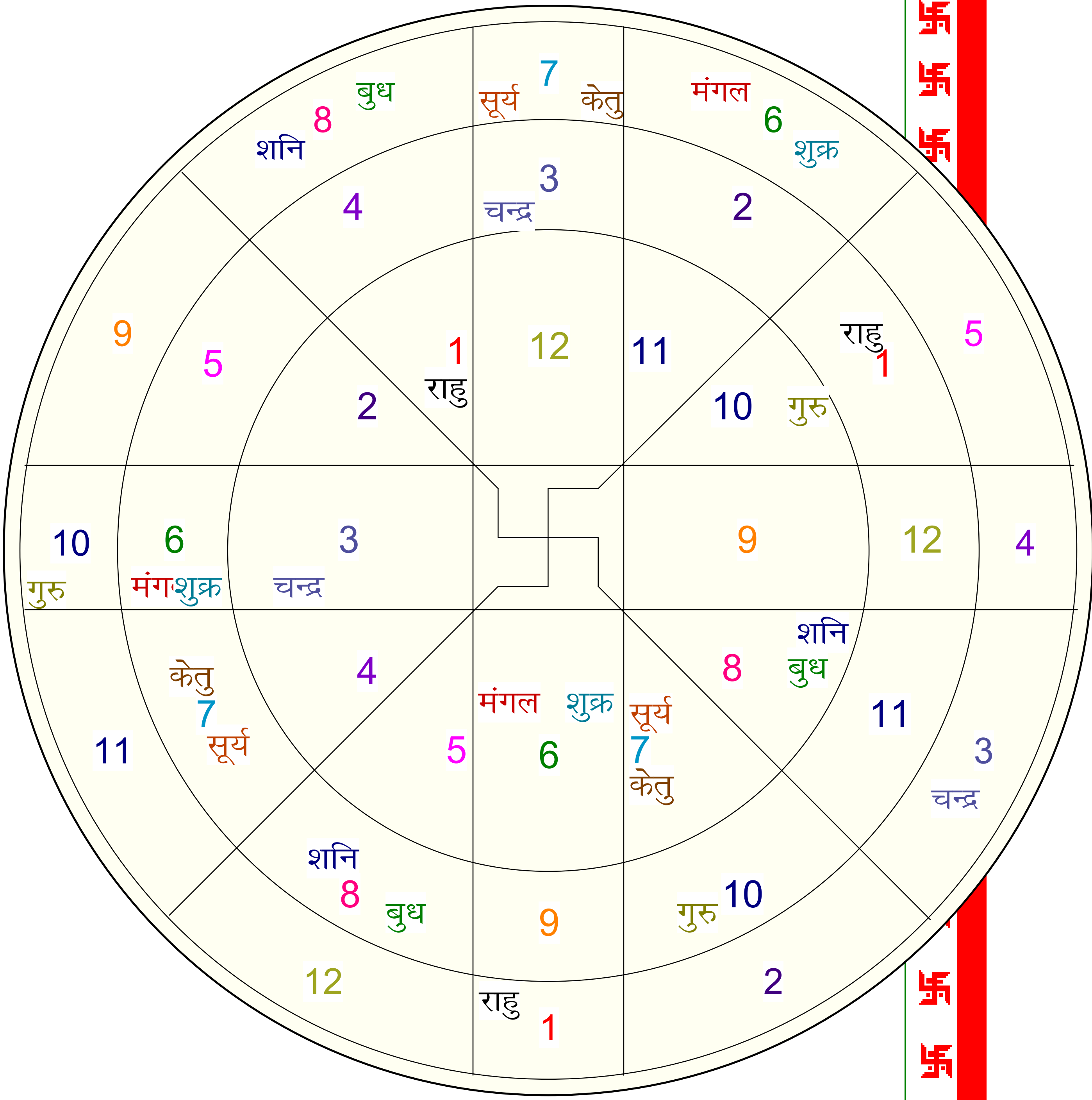

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रगट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

विंशोत्तरी दशा

दशा का भोग्यकाल : राहु 0 वर्ष 7 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/11/1985	09/06/1986	09/06/1986	09/06/2002	09/06/2002	09/06/2021	09/06/2021	09/06/2038	09/06/2038	09/06/2045
राहु	00/00/0000	गुरु	27/07/1988	शनि	12/06/2005	बुध	06/11/2023	केतु	05/11/2038
गुरु	00/00/0000	शनि	08/02/1991	बुध	20/02/2008	केतु	02/11/2024	शुक्र	05/01/2040
शनि	00/00/0000	बुध	16/05/1993	केतु	31/03/2009	शुक्र	03/09/2027	सूर्य	12/05/2040
बुध	00/00/0000	केतु	21/04/1994	शुक्र	31/05/2012	सूर्य	09/07/2028	चन्द्र	11/12/2040
केतु	00/00/0000	शुक्र	20/12/1996	सूर्य	13/05/2013	चन्द्र	09/12/2029	मंगल	10/05/2041
शुक्र	00/00/0000	सूर्य	09/10/1997	चन्द्र	12/12/2014	मंगल	06/12/2030	राहु	28/05/2042
सूर्य	00/00/0000	चन्द्र	08/02/1999	मंगल	21/01/2016	राहु	24/06/2033	गुरु	04/05/2043
चन्द्र	00/00/0000	मंगल	15/01/2000	राहु	27/11/2018	गुरु	30/09/2035	शनि	12/06/2044
मंगल	09/06/1986	राहु	09/06/2002	गुरु	09/06/2021	शनि	09/06/2038	बुध	09/06/2045

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चन्द्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/06/2045	09/06/2065	09/06/2065	09/06/2071	09/06/2071	09/06/2081	09/06/2081	09/06/2088	09/06/2088	04/11/2105
शुक्र	08/10/2048	सूर्य	27/09/2065	चन्द्र	09/04/2072	मंगल	05/11/2081	राहु	20/02/2091
सूर्य	09/10/2049	चन्द्र	28/03/2066	मंगल	08/11/2072	राहु	24/11/2082	गुरु	15/07/2093
चन्द्र	09/06/2051	मंगल	03/08/2066	राहु	10/05/2074	गुरु	30/10/2083	शनि	21/05/2096
मंगल	09/08/2052	राहु	28/06/2067	गुरु	09/09/2075	शनि	08/12/2084	बुध	09/12/2098
राहु	09/08/2055	गुरु	15/04/2068	शनि	09/04/2077	बुध	06/12/2085	केतु	27/12/2099
गुरु	09/04/2058	शनि	28/03/2069	बुध	09/09/2078	केतु	04/05/2086	शुक्र	28/12/2102
शनि	09/06/2061	बुध	01/02/2070	केतु	10/04/2079	शुक्र	04/07/2087	सूर्य	22/11/2103
बुध	09/04/2064	केतु	09/06/2070	शुक्र	08/12/2080	सूर्य	09/11/2087	चन्द्र	23/05/2105
केतु	09/06/2065	शुक्र	09/06/2071	सूर्य	09/06/2081	चन्द्र	09/06/2088	मंगल	04/11/2105

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 7 माह 3 दिन होता है।

- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

सूक्ष्म विंशोत्तरी दशा

शनि-केतु-शनि	शनि-केतु-बुध	शनि-शुक्र-शुक्र	शनि-शुक्र-सूर्य
29/11/2008 23:42 02/02/2009 02:01	02/02/2009 02:01 31/03/2009 10:24	31/03/2009 10:24 10/10/2009 04:54	10/10/2009 04:54 07/12/2009 00:51
शनि 10/12/2008 03:16	बुध 10/02/2009 05:00	शुक्र 02/05/2009 13:29	सूर्य 13/10/2009 02:18
बुध 19/12/2008 05:12	केतु 13/02/2009 13:17	सूर्य 12/05/2009 04:48	चन्द्र 17/10/2009 21:57
केतु 22/12/2008 22:56	शुक्र 23/02/2009 02:41	चन्द्र 28/05/2009 06:21	मंगल 21/10/2009 06:55
शुक्र 02/01/2009 15:19	सूर्य 25/02/2009 23:30	मंगल 08/06/2009 12:14	राहु 29/10/2009 23:07
सूर्य 05/01/2009 20:14	चन्द्र 02/03/2009 18:12	राहु 07/07/2009 10:12	गुरु 06/11/2009 16:10
चन्द्र 11/01/2009 04:25	मंगल 06/03/2009 02:30	गुरु 02/08/2009 03:04	शनि 15/11/2009 19:56
मंगल 14/01/2009 22:10	राहु 14/03/2009 16:57	शनि 01/09/2009 15:36	बुध 24/11/2009 00:33
राहु 24/01/2009 12:54	गुरु 22/03/2009 08:28	बुध 28/09/2009 23:01	केतु 27/11/2009 09:31
गुरु 02/02/2009 02:01	शनि 31/03/2009 10:24	केतु 10/10/2009 04:54	शुक्र 07/12/2009 00:51

शनि-शुक्र-चन्द्र	शनि-शुक्र-मंगल	शनि-शुक्र-राहु	शनि-शुक्र-गुरु
07/12/2009 00:51 13/03/2010 10:06	13/03/2010 10:06 19/05/2010 21:22	19/05/2010 21:22 09/11/2010 09:13	09/11/2010 09:13 12/04/2011 14:25
चन्द्र 15/12/2009 01:37	मंगल 17/03/2010 08:33	राहु 14/06/2010 21:57	गुरु 29/11/2010 22:43
मंगल 20/12/2009 16:33	राहु 27/03/2010 11:27	गुरु 08/07/2010 01:08	शनि 24/12/2010 08:44
राहु 04/01/2010 03:33	गुरु 05/04/2010 11:21	शनि 04/08/2010 12:24	बुध 15/01/2011 05:05
गुरु 16/01/2010 23:59	शनि 16/04/2010 03:44	बुध 29/08/2010 02:17	केतु 24/01/2011 04:59
शनि 01/02/2010 06:15	बुध 25/04/2010 17:08	केतु 08/09/2010 05:11	शुक्र 18/02/2011 21:51
बुध 14/02/2010 21:57	केतु 29/04/2010 15:35	शुक्र 07/10/2010 03:09	सूर्य 26/02/2011 14:54
केतु 20/02/2010 12:54	शुक्र 10/05/2010 21:28	सूर्य 15/10/2010 19:21	चन्द्र 11/03/2011 11:20
शुक्र 08/03/2010 14:26	सूर्य 14/05/2010 06:26	चन्द्र 30/10/2010 06:20	मंगल 20/03/2011 11:15
सूर्य 13/03/2010 10:06	चन्द्र 19/05/2010 21:22	मंगल 09/11/2010 09:13	राहु 12/04/2011 14:25

शनि-शुक्र-शनि	शनि-शुक्र-बुध	शनि-शुक्र-केतु	शनि-सूर्य-सूर्य
12/04/2011 14:25 12/10/2011 17:36	12/10/2011 17:36 24/03/2012 14:07	24/03/2012 14:07 31/05/2012 01:24	31/05/2012 01:24 17/06/2012 09:47
शनि 11/05/2011 14:19	बुध 04/11/2011 22:42	केतु 28/03/2012 12:35	सूर्य 31/05/2012 22:13
बुध 06/06/2011 12:58	केतु 14/11/2011 12:06	शुक्र 08/04/2012 18:28	चन्द्र 02/06/2012 08:55
केतु 17/06/2011 05:22	शुक्र 11/12/2011 19:31	सूर्य 12/04/2012 03:25	मंगल 03/06/2012 09:12
शुक्र 17/07/2011 17:53	सूर्य 20/12/2011 00:09	चन्द्र 17/04/2012 18:22	राहु 05/06/2012 23:40
सूर्य 26/07/2011 21:39	चन्द्र 02/01/2012 15:52	मंगल 21/04/2012 16:49	गुरु 08/06/2012 07:11
चन्द्र 11/08/2011 03:55	मंगल 12/01/2012 05:15	राहु 01/05/2012 19:43	शनि 11/06/2012 01:06
मंगल 21/08/2011 20:18	राहु 05/02/2012 19:08	गुरु 10/05/2012 19:37	बुध 13/06/2012 12:06
राहु 18/09/2011 07:34	गुरु 27/02/2012 15:28	शनि 21/05/2012 12:00	केतु 14/06/2012 12:23
गुरु 12/10/2011 17:36	शनि 24/03/2012 14:07	बुध 31/05/2012 01:24	शुक्र 17/06/2012 09:47

विंशोत्तरी प्राण दशा

शनि-केतु-शनि-गुरु	शनि-केतु-बुध-बुध	शनि-केतु-बुध-केतु	शनि-केतु-बुध-शुक्र
24/01/2009 12:54	02/02/2009 02:01	10/02/2009 05:00	13/02/2009 13:17
02/02/2009 02:01	10/02/2009 05:00	13/02/2009 13:17	23/02/2009 02:41
गुरु 25/01/2009 16:15	बुध 03/02/2009 05:38	केतु 10/02/2009 09:41	शुक्र 15/02/2009 03:31
शनि 27/01/2009 00:44	केतु 03/02/2009 17:01	शुक्र 10/02/2009 23:04	सूर्य 15/02/2009 15:00
बुध 28/01/2009 05:47	शुक्र 05/02/2009 01:31	सूर्य 11/02/2009 03:05	चन्द्र 16/02/2009 10:07
केतु 28/01/2009 17:45	सूर्य 05/02/2009 11:15	चन्द्र 11/02/2009 09:46	मंगल 16/02/2009 23:29
शुक्र 30/01/2009 03:56	चन्द्र 06/02/2009 03:30	मंगल 11/02/2009 14:27	राहु 18/02/2009 09:54
सूर्य 30/01/2009 14:11	मंगल 06/02/2009 14:53	राहु 12/02/2009 02:30	गुरु 19/02/2009 16:29
चन्द्र 31/01/2009 07:17	राहु 07/02/2009 20:08	गुरु 12/02/2009 13:12	शनि 21/02/2009 04:48
मंगल 31/01/2009 19:15	गुरु 08/02/2009 22:08	शनि 13/02/2009 01:55	बुध 22/02/2009 13:18
राहु 02/02/2009 02:01	शनि 10/02/2009 05:00	बुध 13/02/2009 13:17	केतु 23/02/2009 02:41

शनि-केतु-बुध-सूर्य	शनि-केतु-बुध-चन्द्र	शनि-केतु-बुध-मंगल	शनि-केतु-बुध-राहु
23/02/2009 02:41	25/02/2009 23:30	02/03/2009 18:12	06/03/2009 02:30
25/02/2009 23:30	02/03/2009 18:12	06/03/2009 02:30	14/03/2009 16:57
सूर्य 23/02/2009 06:08	चन्द्र 26/02/2009 09:04	मंगल 02/03/2009 22:53	राहु 07/03/2009 09:28
चन्द्र 23/02/2009 11:52	मंगल 26/02/2009 15:45	राहु 03/03/2009 10:56	गुरु 08/03/2009 12:59
मंगल 23/02/2009 15:53	राहु 27/02/2009 08:58	गुरु 03/03/2009 21:38	शनि 09/03/2009 21:41
राहु 24/02/2009 02:12	गुरु 28/02/2009 00:15	शनि 04/03/2009 10:21	बुध 11/03/2009 02:56
गुरु 24/02/2009 11:23	शनि 28/02/2009 18:25	बुध 04/03/2009 21:43	केतु 11/03/2009 14:58
शनि 24/02/2009 22:16	बुध 01/03/2009 10:40	केतु 05/03/2009 02:24	शुक्र 13/03/2009 01:23
बुध 25/02/2009 08:01	केतु 01/03/2009 17:21	शुक्र 05/03/2009 15:47	सूर्य 13/03/2009 11:42
केतु 25/02/2009 12:02	शुक्र 02/03/2009 12:28	सूर्य 05/03/2009 19:48	चन्द्र 14/03/2009 04:55
शुक्र 25/02/2009 23:30	सूर्य 02/03/2009 18:12	चन्द्र 06/03/2009 02:30	मंगल 14/03/2009 16:57

शनि-केतु-बुध-गुरु	शनि-केतु-बुध-शनि	शनि-शुक्र-शुक्र-शुक्र	शनि-शुक्र-शुक्र-सूर्य
14/03/2009 16:57	22/03/2009 08:28	31/03/2009 10:24	02/05/2009 13:29
22/03/2009 08:28	31/03/2009 10:24	02/05/2009 13:29	12/05/2009 04:48
गुरु 15/03/2009 17:25	शनि 23/03/2009 18:58	शुक्र 05/04/2009 18:55	सूर्य 03/05/2009 01:03
शनि 16/03/2009 22:29	बुध 25/03/2009 01:51	सूर्य 07/04/2009 09:28	चन्द्र 03/05/2009 20:19
बुध 18/03/2009 00:29	केतु 25/03/2009 14:34	चन्द्र 10/04/2009 01:43	मंगल 04/05/2009 09:49
केतु 18/03/2009 11:11	शुक्र 27/03/2009 02:53	मंगल 11/04/2009 22:42	राहु 05/05/2009 20:31
शुक्र 19/03/2009 17:46	सूर्य 27/03/2009 13:47	राहु 16/04/2009 18:22	गुरु 07/05/2009 03:22
सूर्य 20/03/2009 02:57	चन्द्र 28/03/2009 07:56	गुरु 21/04/2009 01:11	शनि 08/05/2009 15:59
चन्द्र 20/03/2009 18:14	मंगल 28/03/2009 20:39	शनि 26/04/2009 03:16	बुध 10/05/2009 00:45
मंगल 21/03/2009 04:57	राहु 30/03/2009 05:20	बुध 30/04/2009 16:30	केतु 10/05/2009 14:15
राहु 22/03/2009 08:28	गुरु 31/03/2009 10:24	केतु 02/05/2009 13:29	शुक्र 12/05/2009 04:48

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चन्द्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
09/10/1997 08/02/1999		08/02/1999 15/01/2000		15/01/2000 09/06/2002		09/06/2002 12/06/2005		12/06/2005 20/02/2008	
चन्द्र	18/11/1997	मंगल	28/02/1999	राहु	25/05/2000	शनि	30/11/2002	बुध	29/10/2005
मंगल	17/12/1997	राहु	20/04/1999	गुरु	19/09/2000	बुध	05/05/2003	केतु	26/12/2005
राहु	28/02/1998	गुरु	04/06/1999	शनि	05/02/2001	केतु	08/07/2003	शुक्र	07/06/2006
गुरु	04/05/1998	शनि	28/07/1999	बुध	09/06/2001	शुक्र	07/01/2004	सूर्य	27/07/2006
शनि	20/07/1998	बुध	14/09/1999	केतु	30/07/2001	सूर्य	02/03/2004	चन्द्र	17/10/2006
बुध	27/09/1998	केतु	04/10/1999	शुक्र	23/12/2001	चन्द्र	02/06/2004	मंगल	13/12/2006
केतु	25/10/1998	शुक्र	30/11/1999	सूर्य	05/02/2002	मंगल	05/08/2004	राहु	09/05/2007
शुक्र	14/01/1999	सूर्य	17/12/1999	चन्द्र	19/04/2002	राहु	16/01/2005	गुरु	17/09/2007
सूर्य	08/02/1999	चन्द्र	15/01/2000	मंगल	09/06/2002	गुरु	12/06/2005	शनि	20/02/2008

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चन्द्र		शनि - मंगल	
20/02/2008 31/03/2009		31/03/2009 31/05/2012		31/05/2012 13/05/2013		13/05/2013 12/12/2014		12/12/2014 21/01/2016	
केतु	15/03/2008	शुक्र	10/10/2009	सूर्य	17/06/2012	चन्द्र	30/06/2013	मंगल	04/01/2015
शुक्र	21/05/2008	सूर्य	07/12/2009	चन्द्र	16/07/2012	मंगल	02/08/2013	राहु	06/03/2015
सूर्य	10/06/2008	चन्द्र	13/03/2010	मंगल	05/08/2012	राहु	28/10/2013	गुरु	29/04/2015
चन्द्र	14/07/2008	मंगल	19/05/2010	राहु	26/09/2012	गुरु	13/01/2014	शनि	02/07/2015
मंगल	07/08/2008	राहु	09/11/2010	गुरु	11/11/2012	शनि	15/04/2014	बुध	29/08/2015
राहु	07/10/2008	गुरु	12/04/2011	शनि	05/01/2013	बुध	06/07/2014	केतु	21/09/2015
गुरु	29/11/2008	शनि	12/10/2011	बुध	23/02/2013	केतु	09/08/2014	शुक्र	28/11/2015
शनि	02/02/2009	बुध	24/03/2012	केतु	16/03/2013	शुक्र	13/11/2014	सूर्य	18/12/2015
बुध	31/03/2009	केतु	31/05/2012	शुक्र	13/05/2013	सूर्य	12/12/2014	चन्द्र	21/01/2016

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
21/01/2016 27/11/2018		27/11/2018 09/06/2021		09/06/2021 06/11/2023		06/11/2023 02/11/2024		02/11/2024 03/09/2027	
राहु	25/06/2016	गुरु	30/03/2019	बुध	12/10/2021	केतु	27/11/2023	शुक्र	23/04/2025
गुरु	11/11/2016	शनि	24/08/2019	केतु	02/12/2021	शुक्र	26/01/2024	सूर्य	14/06/2025
शनि	24/04/2017	बुध	02/01/2020	शुक्र	27/04/2022	सूर्य	13/02/2024	चन्द्र	08/09/2025
बुध	19/09/2017	केतु	25/02/2020	सूर्य	10/06/2022	चन्द्र	14/03/2024	मंगल	08/11/2025
केतु	19/11/2017	शुक्र	28/07/2020	चन्द्र	23/08/2022	मंगल	05/04/2024	राहु	12/04/2026
शुक्र	11/05/2018	सूर्य	12/09/2020	मंगल	13/10/2022	राहु	29/05/2024	गुरु	28/08/2026
सूर्य	02/07/2018	चन्द्र	28/11/2020	राहु	22/02/2023	गुरु	16/07/2024	शनि	08/02/2027
चन्द्र	27/09/2018	मंगल	21/01/2021	गुरु	19/06/2023	शनि	11/09/2024	बुध	04/07/2027
मंगल	27/11/2018	राहु	09/06/2021	शनि	06/11/2023	बुध	02/11/2024	केतु	03/09/2027

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु	
03/11/1985	09/06/1986	09/06/1986	27/07/1988	27/07/1988	08/02/1991	08/02/1991	16/05/1993	16/05/1993	21/04/1994
मंगल	00/00/0000	गुरु	21/09/1986	शनि	21/12/1988	बुध	05/06/1991	केतु	04/06/1993
राहु	00/00/0000	शनि	22/01/1987	बुध	01/05/1989	केतु	23/07/1991	शुक्र	31/07/1993
गुरु	03/11/1985	बुध	13/05/1987	केतु	24/06/1989	शुक्र	08/12/1991	सूर्य	17/08/1993
शनि	29/11/1985	केतु	27/06/1987	शुक्र	25/11/1989	सूर्य	19/01/1992	चन्द्र	15/09/1993
बुध	23/01/1986	शुक्र	04/11/1987	सूर्य	10/01/1990	चन्द्र	28/03/1992	मंगल	05/10/1993
केतु	14/02/1986	सूर्य	13/12/1987	चन्द्र	29/03/1990	मंगल	15/05/1992	राहु	25/11/1993
शुक्र	19/04/1986	चन्द्र	16/02/1988	मंगल	22/05/1990	राहु	16/09/1992	गुरु	09/01/1994
सूर्य	08/05/1986	मंगल	02/04/1988	राहु	07/10/1990	गुरु	05/01/1993	शनि	04/03/1994
चन्द्र	09/06/1986	राहु	27/07/1988	गुरु	08/02/1991	शनि	16/05/1993	बुध	21/04/1994

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चन्द्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
21/04/1994	20/12/1996	20/12/1996	09/10/1997	09/10/1997	08/02/1999	08/02/1999	15/01/2000	15/01/2000	09/06/2002
शुक्र	01/10/1994	सूर्य	04/01/1997	चन्द्र	18/11/1997	मंगल	28/02/1999	राहु	25/05/2000
सूर्य	19/11/1994	चन्द्र	28/01/1997	मंगल	17/12/1997	राहु	20/04/1999	गुरु	19/09/2000
चन्द्र	08/02/1995	मंगल	14/02/1997	राहु	28/02/1998	गुरु	04/06/1999	शनि	05/02/2001
मंगल	06/04/1995	राहु	30/03/1997	गुरु	04/05/1998	शनि	28/07/1999	बुध	09/06/2001
राहु	30/08/1995	गुरु	08/05/1997	शनि	20/07/1998	बुध	14/09/1999	केतु	30/07/2001
गुरु	06/01/1996	शनि	24/06/1997	बुध	27/09/1998	केतु	04/10/1999	शुक्र	23/12/2001
शनि	09/06/1996	बुध	04/08/1997	केतु	25/10/1998	शुक्र	30/11/1999	सूर्य	05/02/2002
बुध	25/10/1996	केतु	21/08/1997	शुक्र	14/01/1999	सूर्य	17/12/1999	चन्द्र	19/04/2002
केतु	20/12/1996	शुक्र	09/10/1997	सूर्य	08/02/1999	चन्द्र	15/01/2000	मंगल	09/06/2002

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
09/06/2002	12/06/2005	12/06/2005	20/02/2008	20/02/2008	31/03/2009	31/03/2009	31/05/2012	31/05/2012	13/05/2013
शनि	30/11/2002	बुध	29/10/2005	केतु	15/03/2008	शुक्र	10/10/2009	सूर्य	17/06/2012
बुध	05/05/2003	केतु	26/12/2005	शुक्र	21/05/2008	सूर्य	07/12/2009	चन्द्र	16/07/2012
केतु	08/07/2003	शुक्र	07/06/2006	सूर्य	10/06/2008	चन्द्र	13/03/2010	मंगल	05/08/2012
शुक्र	07/01/2004	सूर्य	27/07/2006	चन्द्र	14/07/2008	मंगल	19/05/2010	राहु	26/09/2012
सूर्य	02/03/2004	चन्द्र	17/10/2006	मंगल	07/08/2008	राहु	09/11/2010	गुरु	11/11/2012
चन्द्र	02/06/2004	मंगल	13/12/2006	राहु	07/10/2008	गुरु	12/04/2011	शनि	05/01/2013
मंगल	05/08/2004	राहु	09/05/2007	गुरु	29/11/2008	शनि	12/10/2011	बुध	23/02/2013
राहु	16/01/2005	गुरु	17/09/2007	शनि	02/02/2009	बुध	24/03/2012	केतु	16/03/2013
गुरु	12/06/2005	शनि	20/02/2008	बुध	31/03/2009	केतु	31/05/2012	शुक्र	13/05/2013

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

==

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति सप्तम भाव में है। अतः आप एक मांगलिक पुरुष हैं चूंकि आपका मांगलिक दोष भंग नहीं हो रहा है। अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही स्वभाव से ही उनमें उग्रता रहेगी। यदा कदा परस्पर संबंधों में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा दाम्पत्य जीवन पर इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही आप भी यदा कदा पित या गर्मी आदि से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। मंगल के इस प्रभाव से आपके विवाह कार्य में विलम्ब होने की संभावना रहेगी तथा विवाह से पूर्व वार्ताओं में भी गतिरोध रहेगा लेकिन अंत में आप को सफलता अवश्य प्राप्त होगी तथा सामान्य रूप से दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

सप्तम भावस्थ मंगल के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा पित जन्य दोषों से आपको परेशानी हो सकती है । दशम भाव पर मंगल की दृष्टि से कार्य क्षेत्र में आप परिश्रम एवं पराक्रम से इच्छित सफलता अर्जित करेंगे। समाज से भी न्यूनाधिक मान सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी। लग्न पर दृष्टि के प्रभाव से स्वभाव में तेजस्विता का भाव रहेगा। यदा कदा मानसिक अशान्ति की भी अनुभूति हो सकती है। द्वितीय भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य मतभेद उत्पन्न होंगे जिससे परिवार की शान्ति प्रभावित होगी लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प मात्रा में ही रहेगा।

अतः अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं सम्पन्न बनाने के लिए आपको किसी ऐसे मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिससे आपका परस्पर मांगलिक दोष भंग हो सके। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक भावों अर्थात प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि तथा राहु जैसे पापग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। इससे आपके सुख सौभाग्य एवं ऐश्वर्य में वृद्धि होगी तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आपका दाम्पत्य जीवन व्यतीत होगा। आपसी संबंधों में भी मधुरता तथा सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत
2. कुलिक
3. वासुकि
4 शङ्खपाल
5. पद्म
6. महापद्म
7. तक्षक
8. कर्कोटक
9. शङ्खचूड
10. घातक
11. विषधर एवं
12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने

की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर कालसर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्णरूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है । शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पङ्ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पङ्ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

शनि का ढैया काल

प्रथम चक्र :-

अष्टम स्थानस्थ ढैया:	15/12/90 - 05/03/93	15/10/93 - 10/11/93	--------------------------
साढ़े साती की प्रथम ढैया:	07/06/00 - 23/07/02	08/01/03 - 07/04/03	--------------------------
साढ़े साती की द्वितीय ढैया:	23/07/02 - 08/01/03	07/04/03 - 06/09/04	13/01/05 - 26/05/05
साढ़े साती की तृतीय ढैया:	06/09/04 - 13/01/05	26/05/05 - 01/11/06	10/01/07 - 16/07/07
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया:	10/09/09 - 15/11/11	16/05/12 - 04/08/12	--------------------------

द्वितीय चक्र :-

अष्टम स्थानस्थ ढैया:	24/01/20 - 17/01/23	--------------------------	--------------------------
साढ़े साती की प्रथम ढैया:	08/08/29 - 05/10/29	17/04/30 - 31/05/32	--------------------------
साढ़े साती की द्वितीय ढैया:	31/05/32 - 13/07/34	--------------------------	--------------------------
साढ़े साती की तृतीय ढैया:	13/07/34 - 27/08/36	--------------------------	--------------------------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया:	22/10/38 - 05/04/39	13/07/39 - 28/01/41	06/02/41 - 26/09/41

तृतीय चक्र :-

अष्टम स्थानस्थ ढैया:	06/03/49 - 10/07/49	04/12/49 - 25/02/52	--------------------------
साढ़े साती की प्रथम ढैया:	27/05/59 - 11/07/61	13/02/62 - 07/03/62	--------------------------
साढ़े साती की द्वितीय ढैया:	11/07/61 - 13/02/62	07/03/62 - 24/08/63	06/02/64 - 09/05/64
साढ़े साती की तृतीय ढैया:	24/08/63 - 06/02/64	09/05/64 - 13/10/65	03/02/66 - 03/07/66
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया:	30/08/68 - 04/11/70	--------------------------	--------------------------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया:	शुभ	धनार्जन
साढ़े साती की प्रथम ढैया:	शुभ	पराक्रम
साढ़े साती की द्वितीय ढैया:	सम	सुख
साढ़े साती की तृतीय ढैया:	सम	सन्तति कष्ट
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया:	शुभ	दाम्पतय सुख

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपडा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उडद की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ॐ त्र्यम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ॐ हों जूं सः ॐ भूर्भुव स्वः ॐ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप ५ १/४ रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ॐ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।